(घ) एल्युमिनियम धातु की जिस मात्रा का निर्यात किया जायेगा वह घरेलू आवश्यकताओं के अतिरिक्त होगा।

Setting up of Industrial Joint Ventures in Third Countries

3527. SHRI NOORUL HUDA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the prospects of export of turnkey projects and consultancy services and setting up of industrial joint ventures in third countries;

(b) whether Government are negotiating with other countries in this regard;

(c) whether multinational corporations or foreign capitalists would be associated with such ventures; and

(d) whether any deal has been struck in respect of such projects or industrial joint ventures with any third countries?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) to (d). The developing countries offer considerable scope for turnkey projects, the setting up of joint ventures and for the export of consultancy services. Efforts are being made by our Public and Private Sector firms to take advantage of such opportunities. The efforts are meeting with success. The Government encourages these efforts and assists them by extending facilities for effective execution/implementation of the projects.

During bilateral trade negotiations, with other countries, the stress is also laid on co-operation for the purpose of pooling together the resources and know-how to jointly cultivate the markets in third countries. (At a recent joint commission meeting, an agreement has been reached with USSR for the supply of electrolyser buckets by India for the project set up in Yugoslavia with Soviet assistance.) . .

The participation of foreign nationals in the joint ventures to be set up in third countries is governed by the Foreign Investment Policies of the host country.

बुनकरों को धागे की सप्लाई और उनके द्वारा बुने कपड़े की खरीद

3528. श्री भागीरथ झंवर : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के करोड़ों बुनकर धागे की कमी के कारण सामान्यतः बेरोजगार रहते हैं ;

(ख) क्या उन्हें समय पर धागा देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ;

(ग) क्या बुनकरों की जटिल समस्या को देखते हुए राज्य सरकारों को भी कोई निदेश दिये गये हैं; और

(घ) क्या बुनकरों द्वारा बुने गये कपड़े की बिक्री के लिए भी शासन ने कोई योजना बनाई है और यदि हां, तो उसकी मुख्य बात क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) से (घ) इस समय धागे की पूर्ति स्थिति सामान्यतः सन्तोषजनक है। बुनकरों की माली हालत कमजोर होने के कारण उन्हें अपनी धागे की जरूरतें पूरी करने में कभी कभी कठिनाई हो सकती है। बुनकर सहकारी समितियों के मामले में, धागे की सप्लाई तथा तैयार उत्पादों की बिक्री सामान्यतः समितियों द्वारा की जाती है। अतः सहकारी क्षेत्र को समेकित करने और उसके अंतर्गत अधिक बुनकरों को लाने के लिए उपाय किए जा रहे हैं।

हालांकि राज्य सरकारों को कोई विशेष हिदायतें नहीं दी गई हैं फिर भी केन्द्रीय